राम मिथला में आए कमाल हुई गवा लिरिक्स

कमाल हुई गवा हो,
कमाल हुई गवा,
राम मिथला में आए,
कमाल हुई गवा,
दिल की बगिया खिलाये,
कमाल हुई गवा।bd।

जिस धनुष को बाणासुर,
भी छू न सका,
जिस धनुष को दशानन,
डिगा न सका,
जिस धनुष को बाणासुर,
भी छू न सका,
जिस धनुष को दशानन,
डिगा न सका,
एक पल में धनुष तोड़े,
कमाल हुई गवा।bd।

मिट गई पल में,
सीता की दुविधा बड़ी,
बच गई पल में नृप की,
प्रतिष्ठा बड़ी,
ब्याह सियावर कहाये,
कमाल हुई गवा।bd।

बड़ा भाग हम सभी का है,
सुन लो सखी,
पुण्य बड़ा हम कमाया है,
सुन लो सखी,
इनके दर्शन हम पाए,
कमाल हुई गवा।bd।

कमाल हुई गवा हो,
कमाल हुई गवा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

राम मिथला में आए,
कमाल हुई गवा,
दिल की बगिया खिलाये,
कमाल हुई गवा।bd।

रचनाकार – ब्रह्मेश्वर नाथ मिश्र।
गायक – मनोज कुमार खरे।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com